

TS Krama Paatam – TS 1.6 Sanskrit Corrections – Observed till 31st July 2022

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

| Section, Paragraph Reference | As Printed | To be read as or corrected as |
|--|-------------------------------|-------------------------------|
| T.S.1.6.12.2 - Kramam Krama Vaakyam No. 19 Panchaati No. 47 | ऋषिर्. ह । ह दीर्घश्रुत्तमः । | ऋषिर्. ह । ह दीर्घश्रुत्तमः । |
| T.S.1.6.12.6 - Kramam Krama Vaakyam No. 7 Panchaati No. 51 | हरिव इति हरि - वः । | हरिव इति हरि - वः । |

=====

TS Krama Paatam – TS 1.6 Sanskrit Corrections – Observed till 31st Oct 2021

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

| Section, Paragraph Reference | As Printed | To be read as or corrected as |
|---|--|--|
| T.S.1.6.1.1 - Kramam Krama Vaakyam No. 11 Panchaati No. 1 | बृहस्पतिप्रसूत इति बृहस्पति - प्रसूतः । | बृहस्पतिप्रसूत इति बृहस्पति - प्रसूतः । |
| T.S.1.6.6.4 - Kramam Krama Vaakyam No. 35 Panchaati No. 20 | एषो असुरः । असुर प्रजावान् । | एषो असुर । असुर प्रजावान् । |

| | | |
|--|---|---|
| T.S.1.6.11.7 - Kramam Krama Vaakyam No. 44 Panchaati No. 45 | य॒ज्ञेन॑ तिष्ठति । तिष्ठ॒तीति॑ तिष्ठति ॥ - - - - - | य॒ज्ञेन॑ तिष्ठति । तिष्ठ॒तीति॑ तिष्ठति ॥ - - - - - |
|--|---|---|



TS Krama Paatam – TS 1.6 Sanskrit Corrections –Observed till 31st August 2021

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

| Section, Paragraph Reference | As Printed | To be read as or corrected as |
|--|---|---|
| T.S.1.6.7.2 - Kramam Krama Vaakyam No. 60 Panchaati No. 22 | आ॒हु॒र् म॒नु॒ष्याः॑ । म॒नु॒ष्या इत् । - - - - - | आ॒हु॒र् म॒नु॒ष्याः॑ । म॒नु॒ष्या इत् । - - - - - |
| T.S.1.6.10.2 - Kramam Krama Vaakyam No. 51 Panchaati No. 34 | य॒ज्ञ॒मु॒खं॑ वै । य॒ज्ञ॒मु॒ख॒मि॒ति॑ य॒ज्ञ - मु॒ख॒म् । - - - - - | य॒ज्ञ॒मु॒खं॑ वै । य॒ज्ञ॒मु॒ख॒मि॒ति॑ य॒ज्ञ - मु॒ख॒म् । - - - - - |
| T.S.1.6.11.2 - Kramam Krama Vaakyam No. 38 Panchaati No. 40 | य॒ज्ञेन॑ स॒स्थाम् । स॒स्था॑ गच्छति । - - - - - | य॒ज्ञेन॑ स॒स्थाम् । स॒स्थाम्॑ गच्छति । - - - - - |
| T.S.1.6.12.1 - Kramam Krama Vaakyam No. 7 Panchaati No. 46 | अ॒स्माक॑मस्तु । अ॒स्तु॑ के॒वलः॑ । - - - - - | अ॒स्माक॑मस्तु । अ॒स्तु॑ के॒वलः॑ । - - - - - |

"इन" replaced with "इज" wherever applicable



TS Krama Paatam – TS 1.6 Sanskrit Corrections –Observed till 30th April 2020

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

| Section, Paragraph Reference | As Printed | To be read as or corrected as |
|--|---------------------------------------|--|
| T.S.1.6.2.2 - Kramam Krama Vaakyam No. 21 Panchaati No. 5 | उच्छुष्मोऽग्ने | उच्छुष्मो अग्ने (The word "agne" is full here) |
| T.S.1.6.2.2 - Kramam Krama Vaakyam No. 31 Panchaati No. 5 | अभिदासत इत्यभि दासते । | अभिदासत इत्यभि दासते ॥ (sentence ends here hence double "ruk stop") |
| T.S.1.6.2.3 - Kramam Krama Vaakyam No. 20 Panchaati No. 6 | प्रीणातु वर्षाः । वर्षाः ऋतूनाम् । | प्रीणातु वर्षाः । वर्षा ऋतूनाम् । (visargam deleted) |
| T.S.1.6.4.3 - Kramam Krama Vaakyam No. 13 Panchaati No. 13 | त्वेन्द्रः । इन्द्रो देवताम् ॥ | त्वेन्द्रः । इन्द्रो देवताम् ॥ |

| | | |
|---|--|---|
| T.S.1.6.7.1 - Kramam Krama Vaakyam No. 2 Panchaati No. 21 | यथा वै । वै समृतसोमा । | यथा वै । वै समृतसोमाः । |
| T.S.1.6.9.3 - Kramam Krama Vaakyam No. 56 Panchaati No. 31 | चोप । उप दधाति । | चोप । उप दधाति । |
| T.S.1.6.10.3 - Kramam Krama Vaakyam No. 26 Panchaati No. 35 | हवीष्वा । आसादयेत् । | हवीष्वा । आसादयेत् । |
| T.S.1.6.11.5 - Kramam Krama Vaakyam No. 57 Panchaati No. 43 | अन्नाद इत्यन्न - अदः । तेनैव एवान्नाद्यम् । | अन्नाद इत्यन्न - अदः । तेनैव । एवान्नाद्यम् । Missing "Ruk stop" inserted |

=====

TS Krama Paatam – TS 1.6 Sanskrit Corrections –Observed till 31st May 2019

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

| Section, Paragraph Reference | As Printed | To be read as or corrected as |
|---------------------------------|--------------------------------|----------------------------------|
| 1.6.6.1 Panchati 17 | ते मा । मा वृक्षि । आ वृक्षि । | ते मा । माऽऽ वृक्षि । आ वृक्षि । |

| | | |
|--|---|---|
| | | (avagraha to indicate 'A' trikramam) |
| T.S.1.6.11.7 – Kramam Panchati 45 (Last Line) | य॒ज्ञेन॑ तिष्ठति । तिष्ठ॑तीति॑ तिष्ठति ॥ | य॒ज्ञेन॑ तिष्ठति । तिष्ठ॑तीति॑ तिष्ठति ॥ |

=====